



# March 2015 TODAY

(NEWSLETTER OF EURASIA REIYUKAI)

Year : 3, Vol. 21

www.eurasiareiyukai.com

२५ मार्च २०१५ के दिन हमारी मुभा एई होउ तोकु जेन न्यो जी का १६वां पुण्यतिथि स्मरण समारोह सम्पूर्ण मिहाता शाखा और समाज विकास केन्द्रों ने आयोजित होने जा रहा है, अंतः अपनी मिहाता शाखा एवं सभी के समाज विकास केन्द्र में सहभागी बने ।

## महागुरु किमी कोतानी जी का ४५वां पुण्यतिथि स्मरण एवं यूराशिया रेयूकाई का भव्य मिलन समारोह

महागुरु किमी कोतानी जी का ४५वां पुण्यतिथि स्मरण समारोह एवं यूराशिया रेयूकाई का भव्य मिलन समारोह विगत ९ फरवरी २०१५ के दिन महागुरु के होम्यो, फोटो विराजमान कराने का मौका प्राप्त कर यूराशिया रेयूकाई की मिहाता, केन्जिचुकी मिहाता एवं यूराशिया रेयूकाई की सम्पूर्ण मिहाता शाखाओं की मिहाता का स्वागत करते हुए यूराशिया रेयूकाई संस्थापक अध्यक्ष दम्पती जी की उपस्थिति में होजाशु से ऊपर के यूराशिया रेयूकाई अंतर्गत नेपाल, भारत और बांग्लादेश के प्रमुख लीडर्स की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ ।



इसी प्रकार महागुरु किमी कोतानी जी का ४५वां पुण्यतिथि स्मरण समारोह यूराशिया रेयूकाई की सम्पूर्ण मिहाता शाखा, समाज विकास केन्द्र और देश अनुसार के कार्यालयों में भी २,५७१ लोगों की उपस्थिति में संपन्न हुआ ।

सिलीगुडी भारत में आयोजित समारोह में यूराशिया रेयूकाई संस्थापक अध्यक्ष श्री युशुन मासुनागा जी द्वारा प्रदान किये गये मार्गनिर्देशन के सारांश इस प्रकार हैं :-

१. हमें दिव्य ज्योति निकालने वाला यूराशिया रेयूकाई का शिबुचो बनना पडेगा । सूर्य और चन्द्रमा के प्रकाश की तरह नहीं, बल्कि स्वयं अपनी आत्मा से चमकना होगा और दूसरों को भी चमकाना होगा । उसके आधार कृतज्ञता और क्षमा हैं ।
२. अपने अंदर आज तक महसूस कर नहीं सकने वाली बातों का पता लगायें और उनका विकास करें । आपलोगों को स्वयं ही अपने अंदर के स्वयं का आविष्कार करना होगा ।
३. इस वर्ष से स्वयं का विकास करना पडेगा, उसके लिए अपनी क्षमता का विकास करना पडेगा, विशेष कर युवावर्ग को समाज और देश का विकास करना होगा ।
४. इस संसार को बचाने के लिए, यूराशिया महाद्वीप को बचाने के लिए कार्यान्वयन कर सकने वाले व्यक्ति जन्म ले चुके हैं, लेकिन उनको यह महसूस नहीं हो सका है । महसूस कराने के लिए मिचिबिकी करनी पडेगी । उस बात के लिए आज आपलोगों को आंखें खोलनी होंगी ।

## गुरु आन् न्यू ग्यो तोकु जेन् शी जी का ११वां पुण्यतिथि स्मरण समारोह संपन्न



हमारे महागुरु आन् न्यू ग्यो तोकु जेन् शी जी का ११वां पुण्यतिथि स्मरण समारोह यूराशिया रेयूकाई की सम्पूर्ण मिहाता शाखा, भारत व नेपाल के समाज विकास केन्द्र एवं देश अनुसार के कार्यालयों में गुरुजी का होम्यो एवं फोटो विराजमान कराकर २४ फरवरी को २,९७२ जन सदस्यों की सहभागिता में सम्पन्न हुआ, जिसमें गुरुजी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का मौका प्राप्त हुआ ।

## मिहाता शाखाओं के भव्य मिलन समारोह सम्पन्न



यूराशिया रेयूकाई १७वीं शाखा का भव्य मिलन समारोह १४ फरवरी २०१५ के दिन १,३०५ जन की सहभागिता में नेपाल के सिद्धार्थनगर में, २२वीं शाखा का भव्य मिलन समारोह १९ फरवरी २०१५ को १,९३३ जन की सहभागिता में बर्दघाट में एवं १५वीं शाखा का भव्य मिलन २१ फरवरी २०१५ के दिन १,०४३ जन की सहभागिता में त्रिशक्ति पार्टी पैलेस कौशलटार भक्तपुर में यूराशिया रेयूकाई एवं अपनी-अपनी शाखाओं की मिहाता विराजमान करने का मौका पाकर यूराशिया रेयूकाई संस्थापक अध्यक्ष दंपती जी की उपस्थिति में संपन्न हुआ ।



## रक्तदान शिविर एवं हस्तकला प्रदर्शनी

९ फरवरी २०१५ को महागुरु किमी कोतानी जी का ४५वां पुण्यतिथि स्मरण एवं यूराशिया रेयूकाई भव्य मिलन समारोह के अवसर पर यूराशिया रेयूकाई प्रधान कार्यालय, सिलीगुडी में तराई लायंस ब्लड बैंक सिलीगुडी के तकनीकी सहयोग से एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यूराशिया रेयूकाई द्वारा बार-बार इस तरह का रक्तदान शिविर आयोजित किये जाने पर ब्लड बैंक प्रबन्धन द्वारा यूराशिया रेयूकाई को स्मारक सहित कृतज्ञता-पत्र प्रदान किया गया।



९ फरवरी २०१५ को यूराशिया रेयूकाई प्रधान कार्यालय के प्रांगण में मुमा श्रीमती हिरोको मासुनागा जी की प्रेरणा से संचालित हस्तकला प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा तैयार की गयी विभिन्न हस्तकला की सामग्रियों की एक प्रदर्शनी सहित बिक्री स्टॉल की भी व्यवस्था की गयी थी।

## स्वाइन फ्लू (H1N1) सम्बन्धी जानकारी

**Swine Flu**  
Swine flu is a respiratory disease which infects pigs but also people, typically those who have been in contact with pigs.

**Symptoms in humans**  
Person-to-person transmission is through coughing, sneezing

**The virus**  
Influenza A subtypes: H1N1, H1N2, H3N1, H3N2, H2N3

**New "reassortant" virus**  
Forms when genes from different viruses begin to mix

**When flu spreads**  
person-to-person, rather than from animals to humans, it can continue to mutate, making it harder to treat or fight off

**Incubation time** 5-10 days

**There are no vaccines that contain current swine flu virus causing illness in humans.**

इन दिनों भारत के विभिन्न राज्यों में स्वाइन फ्लू के प्रकोप से पीड़ित होने और मृत्यु होने वाले लोगों की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। गुजरात, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश आदि राज्यों में इसका प्रकोप अत्याधिक देखा जा रहा है। अब तक १,०७९ से ज्यादा लोगों की मृत्यु इस रोग से हो चुकी है और १८ हजार से ज्यादा लोगों में इस रोग के लक्षण पाये गये हैं। इसका सर्वाधिक प्रकोप राजस्थान में देखा जा रहा है। साथ ही नेपाल देश में भी इस बीमारी के फैलने की स्थिति है और अब तक ३ लोगों की मृत्यु हो चुकी है।

**स्वाइन फ्लू क्या है ?**

स्वाइन फ्लू सुअरों में पाया जाने वाला संक्रामक रोग है। सुअरों से मनुष्यों में इस रोग के जीवाणु के आने के बाद पीड़ित मनुष्य से यह बीमारी दूसरे मनुष्यों में फैलती है। इन्फ्लुएंजा ए वायरस में एक

प्रकार का H1N1 से संक्रमित व्यक्ति स्वाइन फ्लू की उत्पत्ति करता है। विशेषतः स्वाइन फ्लू प्रारंभ में सुअरपालक या इस पेशे से जुड़े व्यक्ति में सुअर से संक्रमित होती है। बाद में संक्रमित व्यक्ति के खांसने और छींकने से सूक्ष्म कीटाणु हवा में फैलते हैं और आस-पास के व्यक्ति के सांस से अन्य लोग भी संक्रमित हो जाते हैं। स्वाइन फ्लू के वायरस काफी संक्रामक होने के कारण एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में यह तीव्र गति से फैलता है।

**स्वाइन फ्लू के लक्षण**

१. सर्दी-खांसी सहित बुखार आना, गले दर्द होना एवं शरीर का तापमान बढ़ने पर चिकित्सक से शीघ्र सम्पर्क करना जरूरी है।
२. भूख नहीं लगना, सांस लेने में असुविधा होना, अत्याधिक थकावट महसूस होना, सर में दर्द होना।
३. छाती व पेट दर्द होने पर भी इस रोग के लक्षण होने की संभावना हो सकती है। यदि ऐसे लक्षण दिखाई पड़ते हैं तो स्वास्थ्य केन्द्र में जाकर जांच करवाना जरूरी है।
४. शरीर कांपना, नाक से निरन्तर पानी बहना।
५. मांसपेशियों में दर्द, कफ-खखार के साथ रक्त जाना।

**स्वाइन फ्लू से बचने के उपाय**

१. स्वाइन फ्लू से बचने के लिए अपने घर से कार्यालय तक सावधानी बरतनी जरूरी है।
२. अपने हाथ-पैर साबुन पानी से अच्छी तरह धोना जरूरी है।
३. खांसने या छींकने के समय अपने नाक, मुख को अच्छी तरह रुमाल या मास्क से ढक कर रखना जरूरी है।
४. मास्क लगाकर ही कहीं आना-जाना करें।
५. स्वाइन फ्लू के संक्रमण की रोक-थाम के लिए स्वाइन फ्लू टीका लगाना पड़ता है, लेकिन टीका लगाकर निश्चित हो जाना भी उचित नहीं है।
६. अपने कार्यस्थल पर सहकर्मी से कम से कम ६ फुट दूर बैठना अच्छा है।
७. खांसी या बुखार लगातार आने पर स्कूल, कॉलेज, कार्यालय या भीड़-भाड़ वाले स्थान पर न जायें। (श्रोत: डॉ. सुनील कुमार)

## सामाजिक क्रियाकलापों की भूलकियां



निःशुल्क नेत्रजांच शिविर, २८वीं शाखा हल्दीवाडी



रसोई बनाने का प्रशिक्षण, १७वीं शाखा सिद्धार्थनगर



हस्तकला प्रशिक्षण, २८वीं शाखा भद्रपुर

## नागरिक क्लॉफ-अफाई अभियान



सिलगुडी, भारत



सिद्धार्थनगर, नेपाल

